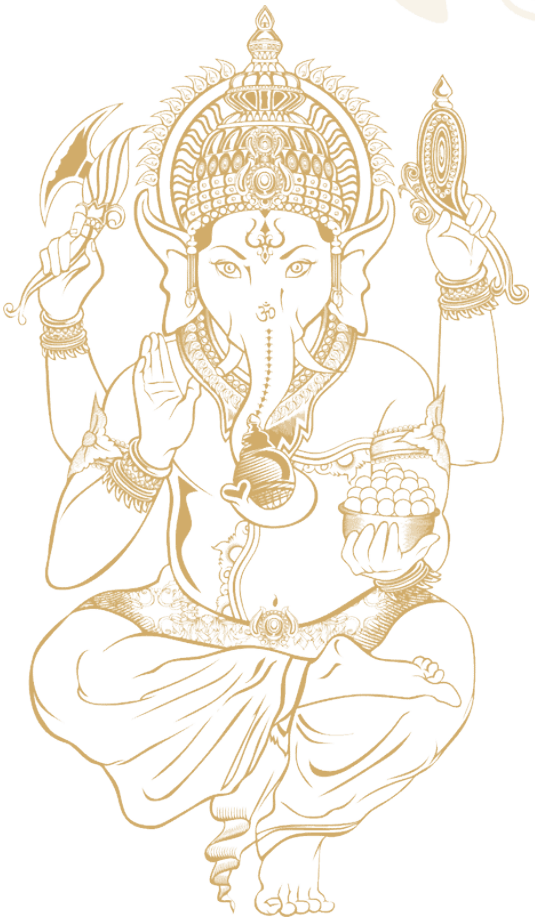

Krishna

Priyanshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120001703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/01/2000	जन्म तिथि	26/05/1999
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 17:16:00	जन्म समय	17:15:00 घंटे
घटी 25:17:08	जन्म समय(घटी)	28:50:51 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:09:08	सूर्योदय	05:42:39
18:04:53	सूर्यास्त	19:04:20
23:51:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:42

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 12वर्ष 1मा 25दि	24:57:53	मिथु	लग्न	तुला	17:45:57	मंगल 3वर्ष 9मा 3दि
गुरु	04:50:52	मक	सूर्य	वृष	10:57:20	गुरु
16/03/2012	10:59:49	मिथु	चंद्र	कन्या	29:30:29	26/02/2021
16/03/2028	18:02:54	कुंभ	मंगल व	तुला	01:06:54	26/02/2037
गुरु 04/05/2014	07:05:16	मक	बुध	वृष	11:51:05	गुरु 17/04/2023
शनि 14/11/2016	02:39:25	मेष	गुरु	मेष	00:00:23	शनि 28/10/2025
बुध 20/02/2019	29:36:24	वृश्चि	शुक्र	मिथु	25:29:45	बुध 03/02/2028
केतु 27/01/2020	16:29:04	मेष	शनि	मेष	16:32:51	केतु 09/01/2029
शुक्र 27/09/2022	09:50:04	कर्क व	राहु व	कर्क	22:07:50	शुक्र 10/09/2031
सूर्य 16/07/2023	09:50:04	मक व	केतु व	मक	22:07:50	सूर्य 28/06/2032
चन्द्र 14/11/2024	21:55:11	मक	हर्ष व	मक	22:56:24	चन्द्र 28/10/2033
मंगल 21/10/2025	10:00:14	मक	नेप व	मक	10:25:19	मंगल 04/10/2034
राहु 16/03/2028	18:11:01	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	15:24:32	राहु 26/02/2037

लग्न-चलित

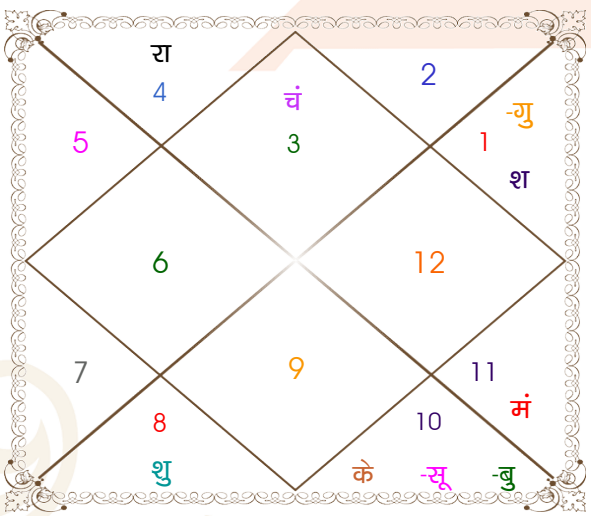

लग्न-चलित

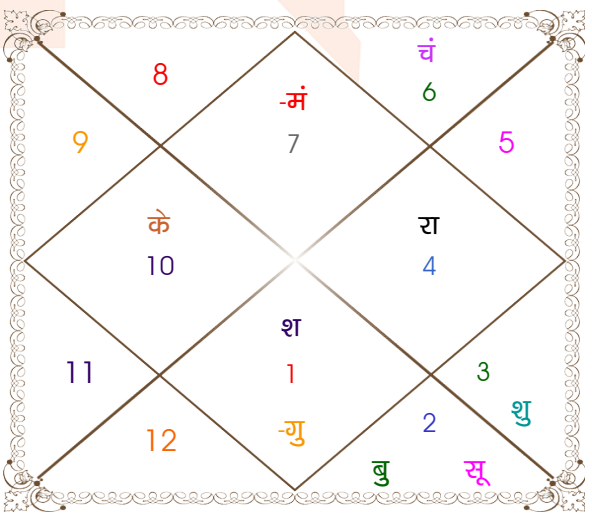

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

ज्ञतपेंदं का वर्ग मार्जार है तथा च्तपलंदींप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञतपेंदं और च्तपलंदींप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञतपेंदं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

च्तपलंदींप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ज्ञतपेंदं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्ञतपेंदं तथा च्तपलंदींप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।